

मुख्यमंत्री ने जयपुर में स्पोर्ट्स हब बनाने का एम.ओ.यू. किया

इसमें स्टेडियम, खेल प्रशिक्षण केन्द्र, खेल चिकित्सा व अन्य खेल सुविधायें विकसित होंगी

जयपुर, 18 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने यू.के. रोड शो के दूसरे दिन नेशनल इन्स्टिट्यूट फॉर हेल्थ एंड केयर एक्सलेंस (एन.आई.सी.ई.) के वरिष्ठ वैज्ञानिक सलाहकार ह्यू मैकगार से मुलाकात की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा में एन.आई.सी.ई. के काम पर व्यापक चर्चा की, जिसमें व्यावहारिक मार्गदर्शन के माध्यम से उच्च गुणवत्ता

साथ मुलाकात की। रॉयल मल्टीस्पोर्ट्स और प्रतिनिधि मंडल के बीच जयपुर शहर को स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित करने के लिए एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हुए। इसमें स्टेडियम, खेल प्रशिक्षण केन्द्र, खेल चिकित्सा व अन्य खेल सुविधायें होंगी।

लंदन में "राइजिंग राजस्थान" इवेंट्स पर मोटी में उपमुख्यमंत्री दिया

- मुख्यमंत्री भजनलाल की, नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर हेल्थ एंड केयर एक्सलेंस के वरिष्ठ वैज्ञानिक सलाहकार के साथ, राज्य में उच्च गुणवत्ता वाली रोगी देखभाल सुविधाओं में सुधार, स्वास्थ्य दिशा निर्देश तथा नई स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों को शुरू करने पर चर्चा हुई।
- स्पोर्ट्स हब राजस्थान रॉयल्स की मालिक कम्पनी विकसित करेंगी।

वाली देखभाल प्रदान करने में चिकित्सकों का समर्थन, नई स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों का स्वतंत्र मूल्यांकन और करदाताओं के लिए मूल्य सुनिश्चित करते हुए रोगी परिणामों में सुधार के लिए नवाचार को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने राज्य में स्वास्थ्य देखभाल दिशानिर्देश विकसित करने और नवीन स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियों को शुरू करने में संभावित सहयोग पर भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री शर्मा व उपमुख्यमंत्री दीपा कुमारी ने पार्लियामेंट हाउस लंदन के सामने लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इसके अलावा, राज्य में खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधि मंडल ने लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान में राजस्थान रॉयल्स क्रिकेट टीम के मालिक, रॉयल मल्टीस्पोर्ट्स प्रा.लि. के अधिकारियों के

कुमारी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों की तारीफ करते हुए कहा कि वे जिस तरह से राइजिंग राजस्थान को सफल बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं, इससे निश्चित है कि हम विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्य की एक मजबूत नींव रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जितने भी देशों में जा रहे हैं, वहाँ राजस्थान में निवेश के लिए व्यवसायियों में अत्यधिक उत्साह देखने का मिल रहा है।

उपमुख्यमंत्री दीपा कुमारी ने भी उपस्थित निवेशकों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत और राजस्थान दुनिया का आर्थिक और सांस्कृतिक केन्द्र बनने की तैयारी है। उन्होंने निवेशकों से ज्यादा से ज्यादा निवेश करने की अपील करते हुए कहा कि वे भी राजस्थान में और राजस्थान की सक्सेस स्टोरी का हिस्सा बनें।



लंदन यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा तथा उपमुख्यमंत्री दीपा कुमारी ने ब्रिटेन के पार्लियामेंट हाउस के सामने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

उपमुख्यमंत्री दीपा कुमारी ने गुरुवार को प्रवासी राजस्थानी समुदाय से संवाद किया। उन्होंने कहा कि यू.के. के प्रवासी समुदाय की उद्यमिता राजस्थान में व्यापार को प्रोत्साहित कर नए रोजगार के अवसर पैदा कर सकती है। दिया कुमारी

ने "राइजिंग राजस्थान" के तहत, प्रवासी राजस्थानी समुदाय से अनुरोध किया कि वे राज्य में व्यापारिक अवसरों का अन्वेषण करें और नवाचार तथा निवेश के माध्यम से विकसित राजस्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

मोदी शनिवार को कर्मयोगी सप्ताह का शुभारंभ करेंगे

नयी दिल्ली 18 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को यहां डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र में कर्मयोगी सप्ताह - राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह का शुभारंभ करेंगे। मिशन कर्मयोगी की शुरुआत सितंबर 2020 में हुई थी और तब से इसमें उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसमें वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ भारतीय लोकाचार में निहित भविष्य के अनुकूल सिविल सेवा की कल्पना की गई है। राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह (एन.एल. डब्ल्यू.) अपनी तरह का सबसे बड़ा आयोजन होगा जो विभिन्न सेवकों के लिए व्यापक और संगठनात्मक क्षमता विकास की दिशा में नई प्रेरणा प्रदान करेगा। यह पहल सोखने और विकास के लिए नए सिरे से प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित करेगी। एन.एल.डब्ल्यू. का लक्ष्य "एक सरकारी" का संदेश देना, सभी को राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ जोड़ना और आजीवन शिक्षण को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान प्रख्यात वक्ता अपने क्षेत्रों से जुड़े विषयों पर जानकारी देंगे और उन्हें अधिक प्रभावी तरीके से नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण की दिशा में काम करने में मदद करेंगे।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में 5 और गिरफ्तार

इन लोगों पर साजिश में शामिल होने व लॉजिस्टिक सपोर्ट देने का आरोप है

मुंबई, 18 अक्टूबर। मुंबई में बीते दिनों एन.सी.पी. नेता और मायानगरी के चर्चित चेहरे बाबा सिद्दीकी की शुरुवार को गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आ रहा है। बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने सबसे बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने केस में कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनपर बाबा सिद्दीकी की साजिश में शामिल होने और लॉजिस्टिक सपोर्ट देने का आरोप है। पुलिस ने इस केस में 5 नए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, नितिन और राम कर्नोजिया इन सभी आरोपियों का मुखिया था। इसी मौजूदा लगे गौली चलाने वाले आरोपियों को हथियार पहुंचाया था। पुलिस की

- पुलिस सूत्रों के अनुसार, नितिन और राम कर्नोजिया आरोपियों के मुखिया थे। उन्होंने गोली चलाने वालों को हथियार पहुंचाये तथा आरोपियों को पैसे तथा लोकल मदद भी उपलब्ध कराई।

तर्फ से ऐसा बताया गया है कि दोनों शूटर धर्मराज कश्यप और शिवकुमार के साथ भी संपर्क में थे। कर्जत में आरोपियों के साथ में 2 महीने तक रहे भी थे। इन्होंने आरोपियों को पैसे और लोकल मदद भी मुहैया कराई थी। पुलिस सूत्रों की जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी जिज्ञान अख्तर और शुभम लोनकर के भी संपर्क में थे। गिरफ्तार आरोपी नितिन पर 3 मामले दर्ज हैं, मर्डर, हाफ मर्डर और आर्म्स एक्ट का वहीं, राम कुमार पर भी कुछ आरोप दर्ज हैं। इन आरोपियों को

हथियार सितंबर महीने के आस पास दिया गया था।

बाबा सिद्दीकी की हत्या को लेकर बीते दिन बेटे जीशान सिद्दीकी ने बयान जारी किया था। उन्होंने लिखा था - "मेरे पिता ने गरीब निर्दोष लोगों के जीवन और घरों की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवा दी। आज मेरा परिवार टूट गया है, लेकिन उनकी मौत का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और निश्चित रूप से इसे व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। मुझे न्याय चाहिए, मेरे परिवार को न्याय चाहिए।"

तमिलनाडू में राज्यपाल और...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) "पूरे देश में तमिल भाषा को आगे बढ़ाने के लिये क्या किया।" राज्य में आयोजित "हिन्दी माह" के समारोहों एवं कार्यक्रमों के समापन के अवसर पर हिन्दी भाषा के बारे में अपने कथनों के माध्यम से, राज्यपाल ने भाषा-विवाद के गढ़े मुँद उखाड़े हैं। उल्लेखित हो चुके मुख्यमंत्री स्टालिन ने एक्स पर पी.एम.ओ. को टैग करते हुये माँग की कि किसी गैर-हिन्दी भाषी राज्य में इस प्रकार के हिन्दी-माह नहीं मनाये जायें। उन्होंने हिन्दी-माह के आयोजनों के समापन समारोह के साथ ही, चेन्नई दूरदर्शन के स्वर्ण जयन्ती समारोहों की भी निन्दा की।

सिनवार की हत्या कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) में नेतृत्व का बड़े लक्ष्य निहित है। उन्होंने दिखा दिया है कि उनके नेतृत्व में इजरायल हर उस व्यक्ति, देश या संस्था को सजा दे सकता है, चाहे सामने कोई भी हो। नेतृत्व का बड़ा लक्ष्य है कि इजरायल को खिलाफ युद्ध बंद करने का भारी दबाव था। अमेरिका जैसे सच्चे दोस्त ने भी युद्ध बंद करने का दबाव डाला था। इजरायल विरोधी आतंकी संगठनों को नेतृत्वहीन कर देना इन संगठनों के मसौदा चरण के लिए भारी झटका है। इजरायल ने जब हिजबुल्लाह के ईपान को मार दिया था तब ईरान ने इजरायल पर हमला भी किया। सभी को उम्मीद थी कि इजरायल जवाब देगा, पर इजरायल ने इसका सीधा जवाब नहीं दिया। ऐसा लगता है कि इजरायल ने अपना प्राथमिकता तय कर ली है। ईरान से बदला लेने की बजाय उसका सारा फोकस पड़ोस के आतंकी संगठनों का खान्ता करने पर है। इससे उसकी ताकत बढ़ेगी और वह अपनी शर्तों पर युद्ध खत्म करने की स्थिति में आ सकता है। इन आतंकी संगठनों पर निर्णायक जीत से इन संगठनों के प्रति ईरान के समर्थन का पर्दाफाश भी हो सकता है। अभी तो यही इंतज़ार है कि सिनवार की हत्या पर ईरान क्या प्रतिक्रिया देगा। ईरान दोबारा इजरायल पर हमला करेगा इसकी संभावना तो नहीं लगती है।

'बाल विवाह जीवन साथी चुनने की स्वतंत्रता का उल्लंघन है'

सुप्रीम कोर्ट ने देश में हो रहे बाल विवाहों पर तीखी टिप्पणी की

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। बाल विवाह के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए शुक्रवार को सख्त टिप्पणी की और कहा कि बाल विवाह निषेध अधिनियम को पर्सनल लॉ के जरिए बाधित नहीं किया जा सकता। साथ ही कोर्ट ने कहा कि बाल-विवाह और अपनी पसंद का जीवन साथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का उल्लंघन है।

देश में बाल विवाह में वृद्धि का आरोप लगाने वाली जनहित याचिका पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बाल विवाह को रोकथाम पर कानून के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कई दिशानिर्देश जारी किए। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़, जज जेबी पारदीवाला और जज मनोज मिश्रा की पीठ ने देश में बाल विवाह रोकथाम कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ये दिशानिर्देश जारी किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश में कहा गया कि इस तरह के विवाह नाबालिगों की जीवन चुनने की स्वतंत्र इच्छा का उल्लंघन है। प्राधिकारियों को बाल विवाह की रोकथाम और नाबालिगों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए तथा अपराधियों को अंतिम उपाय के रूप में दंडित करना चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि बाल विवाह रोकथाम कानून में कुछ खामियां हैं।

- मुख्य न्यायाधीश सहित तीन न्यायाधीशों की बेंच ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए कानून के प्रभावी कार्यान्वयन पर दिशा निर्देश जारी किये।

बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 बाल विवाह को रोकने और समाज से उनके उन्मूलन को सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया था। इस अधिनियम ने 1929 के बाल विवाह

प्रधानमंत्री 27 को जयपुर ...

इसे लेकर पिछले कुछ महीनों से लगातार काम कर रही है। कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी इस अवसर पर जयपुर में रोशनी कार्यक्रम का हिस्सा भी बनेंगे।

इस कार्यक्रम के लिए राजस्थान सरकार के जल संसाधन विभाग की ओर से सम्पूर्ण व्यवस्थाएं की जा रही हैं, इसलिए माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी यहाँ विधिवत रूप से ई.आर.सी.पी. का उद्घाटन कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की सभा के लिए वाटिका के पास दादिया गांव में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इससे पहले इसी स्थान पर लोकसभा चुनाव के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी की सभा हुई थी। आम चुनाव के बाद पहली बार प्रधानमंत्री मोदी जयपुर आ रहे हैं।

निरोधक अधिनियम का स्थान लिया। पीठ ने कहा, ये रणनीति अलग-अलग समुदायों के लिए बनाई जानी चाहिए। कानून तभी सफल होगा जब बहु-क्षेत्रीय समन्वय होगा। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की आवश्यकता है।

जुलाई में जारी इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन रिपोर्ट ने बाल विवाह से निपटने के लिए असम सरकार के प्रयासों की सराहना की। रिपोर्ट में कहा गया कि कानूनी कार्रवाई के जरिए असम में बाल विवाह के मामलों को कम किया है। 2021-22 और 2023-24 के बीच राज्य के 20 जिलों में बाल विवाह के मामलों में 81 प्रतिशत की कमी आई है।

नाबालिग से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) दुष्कर्मी किया। फिर, दस मार्च, 2019 को अभियुक्त उसे कॉलेज के बाहर से गाड़ी में बैठाकर ले गया। इस समय अभियुक्त की बहन और जीजा भी बस में मौजूद थे। अभियुक्त की बहन की ओर से पिताए गए पानी से वह अर्थ बेहोशी में चली गई। इसके कुछ देर बाद वो लोग उसे बस से उतार कर चले गए। रिपोर्ट में कहा गया कि 17 जून, 2019 को उसके पिता के पास थाने से फोन गया कि अभियुक्त ने थाने में शिकायती पत्र दिया है और उसमें शादी का प्रमाण पत्र भी है।

तब पीड़िता ने अपने पिता को घटना की जानकारी दी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

प्रधानमंत्री मोदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) सदस्य देशों के अपने समकक्षों और आमंत्रित नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कर सकते हैं।

रूस इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। सऊदी अरब, ईरान, इथियोपिया, मिस्त्र, अर्जेंटीना और संयुक्त अरब अमीरात इसके नए सदस्य हैं। इससे पहले 8 जुलाई को पीएम मोदी अपनी दो दिवसीय यात्रा पर रूस गए थे। यहाँ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से सम्मानित किया था।

एन.डी.ए. ने झारखंड में सीटों के बंटवारे का फार्मुला तय किया

फार्मुला के अनुसार भाजपा 68, ऑल झारखण्ड स्टूडेंट्स यूनियन 10, जदयू 2 तथा एल.जे.पी. 1 सीट पर लड़ेंगे

रांची, 18 अक्टूबर। झारखंड में विधानसभा चुनाव का ऐलान होने के साथ ही राजनीति गरमा गई है। एन.डी.ए. में सीट शेयरिंग का फार्मुला तय हो गया है। भारतीय जनता पार्टी 68 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जबकि एल.जे.पी. एक और जनता दल यूनाइटेड दो सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। असम के मुख्यमंत्री और झारखंड के बीजेपी प्रभावी हिमंत विश्व शर्मा ने कहा, "सीटों पर चर्चा हो रही है आगे भी चर्चा जारी रहेगी। अभी तक की चर्चा में ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (ए.जे.एस.यू.) 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी... जेडीयू 2 सीटों और एल.जे.पी. 1 सीट पर चुनाव

- माना जा रहा है कि यह फार्मुला लगभग तय हो गया है। वैसे घटक दलों के साथ भाजपा की चर्चा के दौर अभी जारी रहेंगे।

लड़ेगी। भाजपा बाकी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, इसमें थोड़े बहुत बदलाव हो सकते हैं। ए.जे.एस.यू. के नेता सुदेश महतो ने कहा कि पूरे राज्य की भावना है कि दोनों दल साथ में चुनाव लड़ें। हम संयुक्त रूप से चुनाव में जाएंगे। लोग चाहते हैं कि एक कल्याणकारी सरकार

का गठन हो। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मौजूदा सरकार निजी हिा में फिक्ती दूर जा सकती है यह पूरे भारत देश में एक उदाहरण है।

झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में कराए जाएंगे। राज्य में पहले चरण का चुनाव 13 नवंबर को होगा जब कि दूसरे चरण का चुनाव 20 नवंबर को होगा। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा, "सीट बंटवारे के समझौते के मुताबिक झारखंड में राजग की सहयोगी ए.जे.एस.यू. पार्टी 10 सीट पर, जद(यू) दो और लोजपा (रामविलास) एक सीट पर चुनाव

लड़ेगी। यह लगभग तय है।" शर्मा ने कहा, ए.जे.एस.यू. सिल्ली, रामगढ़, गोमिया, ईचागढ़, मांडू, जुगसलाई, डुमरी, पाकुड़, लोहरदगा और मनोहरपुर से चुनाव लड़ेगी। उन्होंने बताया कि जद(यू) जमशेदपुर पश्चिम और तमाड़ से जबकि लोजपा (रामविलास) चतरा से चुनाव लड़ेगी। शर्मा ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और आजसू पार्टी प्रमुख सुदेश महतो की मौजूदगी में यह टिप्पणी की। समझौते के अनुसार, भाजपा 68 सीट पर चुनाव लड़ेगी। शर्मा ने कहा कि हालांकि चर्चा जारी है और जल्द ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

आर.जे.एस. भर्ती परीक्षा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) इसके साथ ही, अदालत ने मामले में हाइकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को भी जवाब देने के लिए कहा है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सी.जे.आई.) डी. वाय. चंद्रचूड़, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा को खंडपीठ ने यह आदेश अंत मिश्रा व अन्य की याचिकाओं पर संयुक्त सुनवाई करते हुए दिया।

याचिकाओं में कहा कि, आप नेता सत्येन्द्र जैन को जमानत मिली

आर.जे.एस. की मुख्य परीक्षा का परिणाम एक अक्टूबर को घोषित किया गया और चार अक्टूबर को उन्हें उत्तर पुस्तिका के नंबर पता चले, जिससे उन्हें पता चला कि उनके अंग्रेजी विषय में बहुत ही कम अंक आए। जबकि, वे नेशनल लॉ युनिवर्सिटी से पास हुए हैं और कुछ अर्थव्यर्थियों का माध्यम अंग्रेजी रहा है। लेकिन भर्ती के अंग्रेजी निबंध लेखन की परीक्षा में उन्हें ज़ीरो, एक, दो, तीन व चार अंक दिए हैं, उनकी उत्तर

पुस्तिकाओं का मूल्यांकन मनमाने तरीके से किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई कर रजिस्ट्रार जनरल से जवाब मांगते हुए 15 अंक से कम वाली उत्तर पुस्तिकाओं को कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया।

गौरतलब है कि, आर.जे.एस. के 222 पदों के लिए हुई मुख्य परीक्षा में 3000 अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इनमें से 638 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के बाद साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है।

निजामुद्दीन उर्स के लिए 82 पाक जायरीनों को वीजा

इस्लामाबाद/नयी दिल्ली, 18 अक्टूबर। राष्ट्रीय राजधानी में हजرات निजामुद्दीन औलिया के वार्षिक उर्स में शामिल होने के लिए 82 पाकिस्तानी जायरीनों को 19-25 अक्टूबर तक वैध भारतीय वीजा दिया गया। पाकिस्तानी पत्रकार शौकत पिराचा के अनुसार, पाकिस्तानी जायरीन शनिवार को वाघा सीमा पार कर भारत में प्रवेश करेंगे।

शिवसेना (शिन्डे) को टिकट देने को तैयार नहीं भाजपा कार्यकर्ता

भाजपा ने कार्यकर्ताओं के रोष पर काबू पाने के लिए कड़े कदम उठाये

महाराष्ट्र, 18 अक्टूबर। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की घोषणा हो गई है। 20 नवंबर को महाराष्ट्र में सभी सीटों पर एक चरण में वोटिंग होगी। इस बीच, एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना ने नागपुर की रामटेक विधानसभा सीट से अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। एकनाथ शिंदे ने यहां से पूर्व निर्दलीय विधायक आशीष जयसवाल को अपना उम्मीदवार घोषित किया है, लेकिन भाजपा के पूर्व विधायक मल्लिकार्जुन रेड्डी ने इस उम्मीदवारी को लेकर बगावत शुरू कर दी है, जिसके बाद भाजपा ने उन्हें पार्टी से 6 साल के लिए निलंबित कर दिया। हालांकि, मल्लिकार्जुन रेड्डी अब

- भाजपा कार्यकर्ता नागपुर के पास रामटेक तथा चन्द्रपुर की वरोरा सीट शिन्डे सेना को नहीं देना चाहते। भाजपा ने पूर्व विधायक मल्लिकार्जुन रेड्डी को 6 साल के लिए निलंबित किया। पर रेड्डी ने पूरे मामले में भाजपा अध्यक्ष को पत्र लिखा।

भी खुद को भाजपा का कार्यकर्ता बता रहे हैं और उन्होंने निलंबन वापस लेने व आशीष जयसवाल को उम्मीदवार नहीं बनाने के लिए पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र तक लिख दिया है। भाजपा से निलंबित पूर्व विधायक मल्लिकार्जुन रेड्डी ने कहा कि रामटेक क्षेत्र में वह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को मजबूत कैसे करेंगे, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

एक्सप्लैट मुख्यमंत्री हैं, शिंदे गुट को क्यों स्वीकार करेंगे, हमेशा के लिए उन्हें कैसे मुख्यमंत्री मानेंगे, वह एक्सप्लैट मुख्यमंत्री बन गए हैं, हमारे विधायक ज्यादा आते हैं, अभी हमारे विधायक ज्यादा आएंगे तो मुख्यमंत्री शिंदे जी को कैसे बनाएंगे। उन्होंने कहा कि बिना नोटिस दिए उनके ऊपर कार्रवाई की गई है, इसलिए उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष को

पत्र भेजा है। इस तरह की बगावत महाराष्ट्र की सिर्फ एक सीट को लेकर नहीं है। महाराष्ट्र की, चंद्रपुर स्थित वरोरा विधानसभा सीट में भी भाजपा पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विद्रोह का विगुल फूंक दिया है। भाजपा के कार्यकर्ता अपना विरोध जताने के लिए नागपुर के विदर्भ कार्यालय में बड़ी संख्या में पहुंच गए और संगठन मंत्री के सामने जमकर नारेबाजी की। इन लोगों की मांग है कि चंद्रपुर की वरोरा सीट शिवसेना को नहीं देनी चाहिए। इस सीट पर भाजपा का पक्ष काफी मजबूत है, इसलिए पार्टी को इस सीट से उम्मीदवार खड़ा करना चाहिए, जबकि वरोरा की सीट शिवसेना के कोटे में जाने की खबर है।